

451

प्रेषक,
डॉ० भूपिन्दर कौर औलख,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,
निदेशक,
अल्पसंख्यक कल्याण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

अल्पसंख्यक कल्याण अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 28 मार्च, 2016

विषय:- भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2014-15 में स्वीकृत जनपद हरिद्वार के ब्लॉक मंगलौर (नारसन) में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन निर्माण हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, अपने पत्रांक-1142/नि.स.क./एम.एस.डी.पी./डी.पी.आर./14-15 दिनांक 12.11.2014 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा जनपद हरिद्वार के ब्लॉक मंगलौर (नारसन) में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन निर्माण हेतु उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम, हरिद्वार द्वारा गठित आंगणन का प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है। भारत सरकार के पत्र संख्या-3/20(4)/2013-पी०पी०-1, दिनांक 19.09.2014 के साथ संलग्न परिशिष्ट-1 की तालिका 3 के क्रमांक-2 पर प्रश्नगत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण हेतु कुल ₹ 132.04 लाख अनुमोदित करते हुए केन्द्रांश ₹ 99.03 लाख में से प्रथम किस्त के रूप में ₹ 49.51 लाख की धनराशि अवमुक्त की है।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद हरिद्वार के मंगलौर (नारसन) में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन निर्माण हेतु कार्यदायी संस्था "उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम लि०, हरिद्वार" द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव पर टी०ए०सी० द्वारा आगणन के तकनीकी परीक्षणों परान्त संस्तुत लागत ₹ 132.08 लाख (सिविल कार्यों हेतु ₹ 124.41 लाख + अधिप्राप्ति नियमावली के अनुसार कराये जाने वाले कार्यों हेतु ₹ 7.67 लाख) के क्रम में, भारत सरकार द्वारा योजनान्तर्गत कार्य की अनुमोदित लागत को दृष्टिगत रखते हुये वर्तमान में ₹ 07.63 लाख उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अनुसार + सिविल कार्य हेतु ₹ 124.41 लाख अर्थात् कुल धनराशि ₹ 132.04 लाख (₹ एक करोड़ बत्तीस लाख चार हजार मात्र) की औचित्यपूर्ण धनराशि की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए वित्तीय वर्ष 2014-15 में भारत सरकार द्वारा अवमुक्त प्रथम किस्त ₹ 49.51 लाख (₹ उन्नचास लाख इक्यावन हजार मात्र) एवं राज्यांश 16.50 लाख (₹ सोलह लाख पचार हजार मात्र) अर्थात् कुल ₹ 66.01 लाख (₹ छियासठ लाख एक हजार मात्र) की धनराशि की वित्तीय वर्ष 2015-16 में वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन नियमानुसार व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 400/XXVII-I/2015, दिनांक 01.4.2015 में द्वारा दिए गये निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
2. उक्त कार्य हेतु वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15 दिसम्बर, 2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था से एम०ओ०यू० अवश्य हस्ताक्षरित करा लिया जाये। उक्तानुसार निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण कराकर भवन विभाग को हस्तान्तरित करा लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
3. उ०प्र०रा०नि० निगम द्वारा एम०ओ०यू० में निर्धारित समय के अंतर्गत भवन कार्य प्रत्येक दशा में पूर्ण कर भवन हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पन्न करा ली जाये।

क्रमशः....

4. परीक्षण के सन्दर्भ में नियोजन विभाग से समन्वय कर, परीक्षण सम्पन्न कराते हुए कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की जायेगी एवं उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय कार्यदायी संस्था को देय सेन्टेज चार्ज से वहन किया जायेगा। गुणवत्ता परीक्षण आख्या शासन को भी प्रेषित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
5. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका बजट मैनुअल के अंतर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए। कार्य हेतु पूर्व अवमुक्त धनराशि के पूर्व संतोषजनक व्यय विषयक आख्या प्राप्त होने पर ही वर्तमान में स्वीकृत धनराशि आहरित/व्यय की जायेगी।
6. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुये नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय अन्य नई मदों में कदापि नहीं किया जायेगा। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिसके लिये स्वीकृत किया जा रहा है। आगणन में प्राविधानित व्यय करने से पूर्व उक्त हेतु उत्तराखण्ड आधिप्राप्ति नियमावली, 2008 में निहित उपबन्धों का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जायेगा। अव्ययित अवशेष धनराशि राजकोष में जमा किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। यदि आधिप्राप्ति नियमावली के अन्तर्गत अधिक धनराशि की आवश्यकता पड़ती है तो चिकित्सा विभाग के सुसंगत लेखा शीर्षकों/मदों से इसकी पूर्ति सुनिश्चित करायी जायेगी।
7. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृति/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से की गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
8. एक मुश्त प्राविधान के कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
9. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुये एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।
10. आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
11. यदि स्वीकृति राशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, स्वीकृत राशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाए।
12. कार्य की प्रगति की निरन्तर समीक्षा करते हुये कार्य को समयबद्ध ढंग से शीघ्र पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। जी०पी० डब्लू० फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
13. स्वीकृत उक्त धनराशि कार्यदायी संस्था को अवमुक्त करने से पूर्व प्रश्नगत योजना हेतु भूमि की उपलब्धता की पुष्टि करनी आवश्यक होगी। किसी भी दशा में भूमि उपलब्ध होने से पूर्व उक्त स्वीकृत धनराशि जारी न की जाय।
14. यदि कार्यदायी संस्था द्वारा उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि को बैंक खाते में जमा कर ब्याज अर्जित किया जायेगा, तो अर्जित ब्याज की धनराशि को कोषागार में जमा कराये जाने का प्रमाण प्रस्तुत करने के उपरान्त ही अगली किश्त की धनराशि अवमुक्त की जायेगी।
15. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-15 के लेखाशीर्षक-2250-अन्य सामाजिक सेवायें-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ-01-अल्पसंख्यकों हेतु मल्टी सेक्टरल विकास योजना के मानक मद-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।
16. यह आदेश शासनादेश संख्या-183/XXVII-I/2012 दिनांक 28.3.2012 द्वारा विहित व्यवस्था के क्रम में www.cts.uk.gov.in से सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपरोक्त स्वीकृति/बजट आवंटन क्रमशः...

हेतु निर्गत विशिष्ट नम्बर/अलॉटमेंट आई.डी. संख्या-S1603150437, दिनांक 22.03.2016 मार्च, 2016 तथा वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 433(P)/XXVII-I/16, दिनांक 21 मार्च, 2016 द्वारा प्राप्त सहमति के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(डॉ० भूपिन्दर कौर औलख)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या:- 297/ XVII-3/15-07(19-MSDP)/2014 तददिनांकित।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. प्रमुख सचिव/सचिव, चिकित्सा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
3. महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. मुख्य चिकित्सा अधिकारी, हरिद्वार।
7. महाप्रबन्धक, उ०प्र० रा० नि० नि० लि०, ई० 34 नेहरू कालोनी देहरादून।
8. नोडल अधिकारी/संयुक्त सचिव (एम०एस०डी०पी०), उत्तराखण्ड शासन।
9. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/हरिद्वार।
10. जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, हरिद्वार।
11. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर।
12. विभागीय आदेश पुस्तिका।

आज्ञा से,

(भूपेन्द्र सिंह बोरा)
उप सचिव।

